बायोगैस से पर्यावरण को होगा फायदा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के बढ़ते इस्तेमाल से पर्यावरण को फायदा होगा। सीबीजी सीएनजी की तरह है। यह वाहनों के लिए एक स्वच्छ और नवीकरणीय ईंधन है। इस परियोजना से प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल के आयात में कटौती करने, प्रदूषण को कम करने तथा जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों और स्वच्छ भारत मिशन में सकारात्मक योगदान मिलने की उम्मीद है।

वहीं, बदायूं प्लांट की बात करें तो इसमें करीब 135 करोड़ का निवेश हुआ है। वहां से हर दिन लगभग 14 टन बायो गैस का उत्पादन होगा। यह बायो गैस पराली के निदान के लिए अत्यंत उपयोगी होगा। 65 टन प्रतिदिन जैविक खाद देगा। प्लांट में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज है। इसका मतलब यह कोई तरल अपशिष्ट नहीं छोड़ता है।

यूपी सरकार से फायदा : 20 करोड़ का अनुदान के साथ सस्ती जमीन और बिजली मिलेगी। बायोगैस एग्रीगेशन मशीन पर विशेष अनुदान भी मिलेगा।

इकाई लगाने को प्रोत्साहन

- इंडियन आयल व बीपीसी जैसी कंपनियां बायोगैस खरीदती हैं, उसके दाम बढ़ा दिए गए हैं। 54 रुपये कर दिया गया है।
- यदि कोई इकाई ऐसी जगह लगाई जा रही है, जहां गैस पाइपलाइन नहीं है। गेल के माध्यम से सुविधाएं दी जा रही हैं। 1380 रुपये प्रतिटन व कंप्रेसिव चार्ज दिए जाते हैं।
- जब गैस में मिलावट की जाती है तो आबकारी शुल्क से छूट मिलती है।
- प्लांट लगाने पर केंद्र सरकार एकमुश्त 10 करोड़ रुपये पूंजीगत अनुदान देती है।
- प्लांट के लिए बैंक प्राथमिकता पर ऋण देते हैं।
- बायोगैस मिलाने के लिए मशीन खरीदने पर मदद दी जाएगी। अनुदान मिलेगा।
- जो जैविक खाद तैयार होगी, उस पर डेढ़ रुपये प्रति किलो अनुदान मिलेगा।
- सीबीजी प्लांट के लिए पर्यावरणीय अनुमति की जरूरत नहीं।